

ट्रूप के सामने झुक हड़े हैं मोदी: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

कृष्ण से गुरुरपति को कहा जिसके अन्तर्वर्ती जनकी ने नेंद्र मोदी को 'विकासपत्र' के रूप में चर्चित करते नहीं थे थक होते हैं, लेकिन सब यह है कि उसी अमेरिकी कार्यपाली डोलाल ट्रूप के साथ पारी रहते दूसरे बार हैं औ उनको उसका प्रतिक्रिया करने की छिपाई में नहीं आती।

कृष्ण के 'पूर्ण भारत' अवधि कृष्ण से गुरुरपति को मुख्यमंत्री में संवादात्मक संवाद में कहा जिस ट्रूप को मोदी को कहते हैं कि उसी नहीं थक होते हैं जैसे रिपोर्ट करते हैं अब तक नहीं आती। इसके बाद गुरुरपति देखा है कि नेंद्र जी का विषय के रूप में डोलाल ट्रूप को बाह्यांक के बीच में टोका है यह बातें हैं। आगे आपको बाल रहे हैं इसके बाद सभा के बाहर की ओर आपको करते हैं भारत को दैर्घ्य बढ़ावा देना। एक बार भी इसकी विवादित बातों की ओर आपको बाहर करते हैं औ उनकी बाध्यांक से रहे। बजकि मोदी इसी रूप के बाहर हो जाए चुका है।

कृष्ण के पूर्व सांसद अजय कुमार को कांग्रेस

डोलाल ट्रूप को अनां बेट भूमि पर भी अधिकारों को नेहरू की बातों और डीटा के समय हड़ पर दबाया जाता है, लेकिन इस दूसरी बाँध के बाह्यांक के समय हड़ पर दबाया जाता है। यहां पक्ष के लोगों नें दोनों बाँधों को और जो जो रहा।

यूएई: रमज़ान में अब सिर्फ तीन घंटे काम

आठ घंटे की शिष्ट सिर्फ पांच से तीन घंटे ही चलेगी

नई दिल्ली। रमजान का पवित्र महीने 1 मार्च से शुरू होने जा रहा है। पूरी नियमों में ओक्सो के लोकर तैयारियां जारी होती हैं। इस पूरे महीने के दौरान मुख्यतया रातों खाते हैं, जिसमें बहुत करीब 13 से 14 घंटे मिलते हैं। यहाँ कुछ खाए-पीए रहते हैं। यूर्फ़ी की सरकार ने इस माहे पर नौकरीपेशा लोगों के लिए खास कदम उठाया है। पोर्ट किए गए एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि अपने काम की जरूरतों और सुनाविक योग्यताके कर्पणियों से रमजान के दौरान काम के घंटों को कम कर सकती है। यूर्फ़े सरकार के बयान के मुताबिक यूर्फ़े में रमजान के दौरान 8 घंटे की रिपोर्ट न होकर सिर्फ़ 5 से 3 घंटे की ही रहेगी। रमजान में शुक्रवार को दिन शिष्ठ 9 बजे से 12 बजे तक पीएम तक काम किया जाएगा।



यूर्इ सरकार ने कंपनियों को अपने 10 फॉरेंट स्टाफ को बर्क फ्राम हाम देने की भी इजाजत दी है। ये सभी व्यायात्मने देने के पांच सरकार का एकसद समाज के द्वारा कर्मचारियों ने प्रोडक्टिविटी और हल्द्य न ध्यान रखना है।



सैलरी न मिलने पर ओमान से नाव लेकर भागे भारतीय



मस्कट। ओमान में काम कर रहे तीन भारतीय सैलरी न मिलने से परेशान होकर भारत के लिए भाग निकले। देश वापस लौटने के लिए उन्होंने समृद्ध कार रास्ता चुना और एक नाव चुरा ली। उन्होंने नाव के जरिए 3000 किमी का सफर भी तय कर लिया था, लेकिन 6 दिन बाद भारतीय कारस्टार्ड ने उन्हें गार्नटक के उड़ुपी टर्म के पास पकड़ लिया गया। तीनों को सोमवार को उड़ुपी की अदालत में पेश किया गया था और जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना की जानकारी अब सामग्री वेब पर आई है। जेम्स फ्रैंकलिन मोरेसेस (50), राबिनस्टन (50) और डेरोज अलफ़ान्सो (37) तरिमलिन की हरे वाले हैं। तीनों ओमान में एक मछली पकड़ने वाली कंपनी में काम कर रहे थे। यहां उन्हें संघर्ष पर सैलरी नहीं मिल रही थी और उन्हें परेशान किया जा रहा था। ऐसे में तीनों ने बाहर वापस लौटने का मन बनाया, लेकिन ओमान की कंपनी ने इन लोगों का पासपोर्ट जबकर लिया था, इसलिए इनके पास घर लौटने के लिए समृद्ध के रास्ते अनेक अलावा कोई जरिया नहीं था। तीनों एक मछली पकड़ने वाली नाव लेकर भाग निकले। तीनों 17 फरवरी से एक दोपहर 3 बजे ओमान के पूर्वी हिस्से में द्रुमक बंदरगाह से निकले। इन का सफर तय कर 2 फरवरी की उड़ुपी के सेंट मेरी आईलैंड के पास नाव से भारतीय जलक्षण में दाखिल हुए। ओमान की नाव देखकर एक लोकल मछुआरे ने इस बारे में तीर्याय सुरक्षा पुलिस को जानकारी दी। तीनों भारतीय इसी नाव की मदद से 3 दिन हजार किमी का सफर करके भारतीय सीमा में पहुंचे। यहां तीनों भारतीय मिल रही थी। भारतीय तटरक्षक और तीर्याय सुरक्षा पुलिस ने शाम की बीच 4:30 बजे सेंट मेरी आईलैंड के पास से तीनों को पकड़ लिया। सभी परेशान पासपोर्ट एक्ट 1920 की धारा 3 और भारतीय समृद्धी क्षेत्र एक्ट 1981 की

जीपीएस की मदद से
3000 किमी का समुद्री
सफर तय किया

कुल मिलाकर 6 दिन का सफर किया तय

बाद में कर्नाटक के उडुपी
तट के पास पकड़े गए

धारा 10, 11 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया। पृष्ठांश में सामने आया कि ये लोग सिर्फ एक जीवीप्रैस डिवाइस की मदद से लगभग 3000 किलोमीटर का सुमुद्री सफर तय करके करवार तर के गए स्टें मैरी द्वाप पहुंचे थे। तटीय सुरक्षा पुलिस के SP मिशन HN ने इस मामले में किसी भी आतंकी एंगल से इकार किया है।

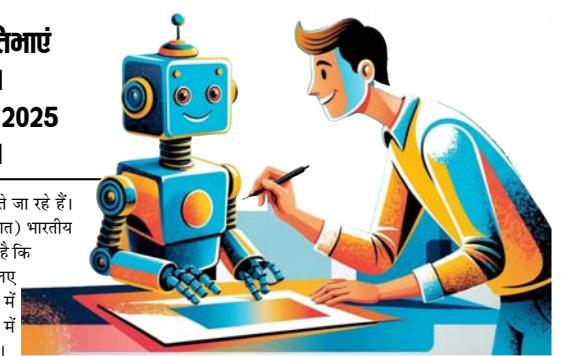
एआई अपनाने में तेजी ला रही कंपनियां

नई दिल्ली। देश की अधिकांश कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने में तेजी ला रही है लेकिन कशुल प्रतिभाओं को पाना बहुत मुश्किल होता जा रहा है। दो साल बाद, जनरेटिव एआई एक चर्चा का विषय से एक व्यावसायिक अर्थात् यात्रा में बदल गया है और भारतीय उद्योग इनियिएटिव क्षमता को अपना रखे हैं। उनियां के सबसे बड़े पेशेवर नेटवर्क डिपलइन के नए शोध के अनुसार भारत में 98 प्रतिशत कारोबारियों का कहना है कि 2025 में अपने संगठनों को एआई अपनाने में तेजी लाने में मदद करना उनकी रणनीतिक प्राथमिकता है। हालांकि, सही कौशल वाले प्रतिभाओं को ढूँढ़ा एक चुनौती बनी हुई। भारत में लगभग 5 में से 3 भवित्वकार्ताओं के लिए एआई और भारतीकौशल का सही मिश्रण ढाँचा एक चानौती है।

ऐसे में कंपनियों के लिए कुशल एआई प्रतिभाएं खोज पाना काफी टेढ़ी खीर साबित होगा। 98 प्रतिशत कारोबारियों का कहना है कि 2025 तक एआई अपनाना उनकी पाठ्यनिकता है।

समस्या-समाधान (33 प्रतिशत) जैसे सॉफ्ट इकल शामिल हैं। कपनिंदरा 2025 में चुनिंदा भर्ती कर रही हैं। भारत में एक और पेशेवरों ने यह भी कहा कि उन्हें ऐसे उम्मीदवारों से बहुत अधिक आवेदन (47 प्रतिशत) मिलते हैं जो उस भूमिका के लिए उपयुक्त नहीं हैं (41 प्रतिशत) और 2025 में वे अधिक चुनिंदा भर्ती कर रहे हैं। भारत में आधे से अधिक एचआर पेशेवरों का कहना है कि वे केवल उन उम्मीदवारों तक पहुँचने (55 प्रतिशत) और तभी (54 प्रतिशत) पर विचार करेंगे जो

समान ही महत्वपूर्ण होते जा रहे
लगभग आधे (48 प्रतिशत) भारत
उद्योग का यह भी कहना है कि
एआई प्रशिक्षण के लिए
सीखने और विकास में
निवेश करना अपनाने में



साल बचाएं, डायरेक्ट करे, सीधे प्रवेश

CMS & ED

करें स्थानीय CMO के वहाँ रजिस्ट्रेशन करायें।

(एलोपैथिक में समानित विक्रितक बनें)

जो विक्रितक देवालं दे रहे हैं वो भी डिजिटल कोसं करें।

**DPT, BPT, MPT, DMILT, BMLT
X-RAY Tech, Ultra Sound Technician
OT, Lab Tech, DNYS, BNYS YOGA
Dental Machenic, Dental Hygiene**

**BA, MA, BSc, MSc, B.Com, M.Com, BBA, MBA
BCA, MCA, B.Ed, BPEd, MPEd, LLB, BSW, MSWE
ANM, GNIM, BSc Nursing & Many More Courses.**

सम्पर्क करें।

डॉ सप्तात क्लीनिक

नावलपुर रिहेमा योक, मुजफ्फरनगर

M.: 9412211108, 9359406499

यौन समस्याएं

यौन समस्याओं के
विशेषज्ञ



पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य भिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवीन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-9412211108